SANJAY
STORE TEXTILES
Dara Market, Johari Bazar &
Tonk Road, Paanch Batti JAIPUR
2570847

मार्च 04, 2026

If undelivered,
Pl. return to
रमन अग्रवाल (संपादक)
हैल्थ व्यू : 170/3,
रामगली, राजापार्क
जयपुर-302004
मो. 98290-66272
राष्ट्रस्तरीय पाक्षिक पत्रिका

HEALTH VIEW
हैल्थ व्यू

सरकारी विज्ञापनों के लिए
मान्यता प्राप्त

विशेष वार्षिक सदस्यता-500/-* 1100/-* सहयोग-2100*/- विशेष सहयोग 3100*/-

कैंसर एवं गंभीर बीमारियों की रोकथाम में प्रयासरत संस्थान

वर्ष 25 अंक 2 हिन्दी/अंग्रेजी पृष्ठ 4 प्रति-2 रु., जयपुर 04 मार्च, 2026

चाय, नमकीन, सुपारी, मसाले, पाउडर इत्यादि की पैकिंग के लिए
ऑटोमेटिक पाउच पैकिंग मशीनें
सुरेंद्र कुमार एण्ड कंपनी
2368358, 2378231 मो. 9829013384
खंडेलवाल स्कूल बिल्डिंग, स्टेशन रोड, जयपुर

डॉ. आशा और डॉ. जोशी की अनुकरणीय भूमिका

हृदय रोग और सुरक्षित मातृत्व

विशेषज्ञ हाथों में सुरक्षित जच्चा-बच्चा

जयपुर। एक हृदय रोगी (Cardiac Patient) महिला के लिए माँ बनना चिकित्सा विज्ञान की दृष्टि से अत्यंत चुनौतीपूर्ण और जोखिम भरा होता है। ऐसे मामलों में 'गोल्डन आवर' (Golden Hour) और विशेषज्ञों की 'प्रजेंस ऑफ माइंड' ही जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर तय करती है। हाल ही में प्रियंका हॉस्पिटल में ऐसे ही एक जटिल मामले में जच्चा और बच्चा दोनों को सुरक्षित बचाकर चिकित्सा जगत में एक मिसाल पेश की गई है।

कार्डियक पेशेंट के लिए क्यों खास है 'गोल्डन आवर'?

प्रसव के दौरान और उसके ठीक बाद का एक घंटा यानी 'गोल्डन आवर' हृदय रोगी महिला के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान शरीर में रक्त का प्रवाह (Blood Volume) तेजी से बदलता है, जिससे दिल पर अत्यधिक दबाव पड़ता है। यदि इस समय विशेषज्ञ कार्डियोलॉजिस्ट और गाइनेकोलॉजिस्ट की त्वरित निगरानी न मिले, तो हार्ट फेलियर का खतरा बढ़ जाता है।

विशेषज्ञों की जुगलबंदी : डॉ. आशा शर्मा और डॉ. पीयूष जोशी

प्रियंका हॉस्पिटल की वरिष्ठ गाइनेकोलॉजिस्ट डॉ. आशा शर्मा और कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. पीयूष जोशी ने इस सफल मिशन में अपनी महती भूमिका निभाई।

प्रजेंस ऑफ माइंड और सघन देखभाल

डॉ. जोशी के अनुसार, 'हृदय रोगी गर्भवती महिला के मामले में हर सेकंड कीमती होता है। विशेषज्ञ हाथों में देखभाल का मतलब है कि किसी भी आपात स्थिति के लिए दवाइयाँ और उपकरण पहले से तैयार हों।' डॉ. आशा शर्मा ने जोर देकर कहा कि सही समय पर सही निर्णय लेने से ही जच्चा और बच्चा दोनों को मौत के मुँह से बाहर निकाला जा सका।

यह सफलता दर्शाती है कि यदि अत्याधुनिक जीवन रक्षक प्रणाली और अनुभवी डॉक्टरों का टीम वर्क हो, तो हृदय रोग जैसी गंभीर स्थिति में भी मातृत्व का सुख सुरक्षित रूप से प्राप्त किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि प्रियंका हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक डॉ जी एल शर्मा के नेतृत्व में प्रियंका हॉस्पिटल हृदय रोगियों के लिए जीवन रक्षक बनकर उभर रहा है।

-: संपर्क सूत्र :-
डॉ. पीयूष जोशी
98290 25555
डॉ. आशा शर्मा
70735 55581

डॉ. पीयूष जोशी

डॉ. आशा शर्मा

डॉ. आशा शर्मा (गाइनेकोलॉजिस्ट)

उन्होंने प्रसव के दौरान होने वाले रक्तस्राव और हार्मोनल बदलावों को बेहद सावधानी से प्रबंधित किया, ताकि माँ के शरीर पर कम से कम तनाव पड़े।

डॉ. पीयूष जोशी (कार्डियोलॉजिस्ट)

गोल्डन आवर स्पेशलिस्ट के रूप में डॉ. जोशी ने हृदय की धड़कन और ऑक्सीजन स्तर की निरंतर मॉनिटरिंग की। उनकी विशेषज्ञता ने सुनिश्चित किया कि प्रसव के दौरान कार्डियक अरेस्ट जैसी स्थिति उत्पन्न न हो।

कान की अनदेखी पड़ सकती है भारी

अब बिना कान के पीछे चीरे के संभव है पर्दे का सफल इलाज

जयपुर। कान से बार-बार मवाद आना, असहनीय दर्द और सुनने की क्षमता में कमी–ये लक्षण महज एक सामान्य संक्रमण नहीं, बल्कि कान के पर्दे में छेद या गंभीर बीमारी का संकेत हो सकते हैं। इस बारे में जयपुर और चौमूं के सुप्रसिद्ध ई एन टी स्पेशलिस्ट डॉक्टर सुधांशु अनंत पांडे ने कहा कि यह समस्या बच्चों में आम है, लेकिन धूल और नाक की एलर्जी (Allergic Rhinitis) से जूझ रहे वयस्कों में भी यह बहुतायत में देखी जा रही है।

डिफेंस अभ्यर्थियों के लिए 'रामबाण' तकनीक

सेना, पुलिस या अर्धसैनिक बलों (Defense Services) में करियर बनाने का सपना देखने वाले युवाओं के लिए यह खबर राहत भरी है। मेडिकल परीक्षण के दौरान कान के पीछे टांकों या चीरे का निशान होने पर उम्मीदवारों को अक्सर 'अनफिट' घोषित कर दिया जाता है।

डॉ. सुधांशु अनंत पांडे

अब आधुनिक 'एंडोस्कोपिक टिम्पैनोप्लास्टी' (Endoscopic Tympanoplasty) तकनीक के माध्यम से बिना कान के पीछे चीरे के कान के पर्दे का ऑपरेशन संभव है। इसमें कान के अंदरूनी रास्ते से ही सर्जरी की जाती है, जिससे न तो कोई निशान रहता है और न ही लंबे समय तक पट्टी बांधने की जरूरत होती है।

डॉक्टर सुधांशु अनंत पांडे
79766 09972

होली खेलते समय कानों की समस्या

केमिकल युक्त गुलाल और पानी : कान में रंगीन पानी जाने से संक्रमण (Infection) का खतरा बढ़ जाता है।

पर्दे को नुकसान : गुब्बारों के सीधे प्रहार या कान में जबरन रंग डालने से पर्दे में छेद हो सकता है।

बचाव : कान में रुई का फाया (Cotton plug) लगाकर ही होली खेलनी चाहिए।

डॉ अनंत पांडे की सलाह

यदि कान बह रहा हो या सुनाई कम दे रहा हो, तो उसे नजरअंदाज न करें। यदि यह समस्या आपकी दिनचर्या प्रभावित कर रही है तो ऑपरेशन ही एकमात्र समाधान है। संक्रमण बढ़ने पर कान की हड्डियां गल सकती है और गंभीर मामलों में मस्तिष्क तक संक्रमण फैल सकता है।

कांवटिया अस्पताल की टीम ने जिस बारीकी से इस सर्जरी को अंजाम दिया, वह काबिले तारीफ है

महिला के पेट से निकाली 15 सेमी की दुर्लभ सिस्ट

जयपुर। चिकित्सा जगत में अपनी कार्यकुशलता का लोहा मनवाते हुए जयपुर के कांवटिया अस्पताल के चिकित्सकों ने एक 35 वर्षीय महिला को नया जीवन दिया है। डॉ. पंकज पोरवाल के नेतृत्व में सर्जिकल टीम ने महिला के पेट से 15×12 सेंटीमीटर आकार की एक दुर्लभ और बेहद जटिल हाइडेटिड सिस्ट (Hydatid Cyst) को सफलतापूर्वक निकालने में सफलता हासिल की है।

डॉ. पंकज पोरवाल

क्या था मामला?

कोटा निवासी यह महिला लंबे समय से पेट दर्द से परेशान थी। जांच में गर्भाशय के पीछे एक बड़ी गांठ का पता चला। सर्जरी के दौरान डॉक्टरों ने पाया कि यह गांठ 'एक्स्ट्रा हेपेटिक' थी, जो आमतौर पर लिवर या फेफड़ों में होती है, लेकिन इस मामले में यह गर्भाशय और बड़ी आंत के बीच फंसी हुई थी।

सर्जरी की जटिलता

डॉ. पोरवाल ने बताया कि यह सिस्ट शरीर की महत्वपूर्ण धमनियों और यूरेटर (मूत्रनली) से पूरी तरह चिपकी हुई थी, जिससे ऑपरेशन अत्यंत जोखिम भरा हो गया था। जरा सी चूक बड़े खतरे का कारण बन सकती थी। हालांकि, टीम ने धैर्य और सटीकता के साथ सिस्ट को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

सफल टीम

इस जटिल ऑपरेशन को अंजाम देने वाली टीम में वरिष्ठ सर्जन डॉ. पंकज पोरवाल, डॉ. डी.पी. मौर्य, डॉ. सुनील, डॉ. हेमेन्द्र पाटीदार, डॉ. महेंद्र, ईशान और डॉ. प्रशांत शामिल थे। चिकित्सा विशेषज्ञों ने इसे दुर्लभतम मामलों में से एक बताया है।

डॉ. पंकज पोरवाल
मो. +919828560012

दिल को स्वस्थ रखने के लिए ज़रूरी टिप्स

एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सुनील जैन ने होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दिल की सेहत बनाए रखने के लिए रोजमर्रा की जीवनशैली में कुछ सरल बदलाव बेहद लाभदायक साबित हो सकते हैं।

नियमित 30 मिनट व्यायाम, तेज़ चलना, योग या साइकिल चलाना हृदय को मजबूत बनाता है। आहार में ताज़ी सब्जियाँ, फल, साबुत अनाज और कम वसा वाले खाद्य पदार्थ शामिल करना चाहिए, जबकि अत्यधिक तेल, तले हुए व्यंजन और नमक का सेवन कम रखना आवश्यक है।

डॉ. सुनील जैन

धूम्रपान से पूरी तरह दूरी और अल्कोहल सीमित मात्रा में लेना दिल पर अतिरिक्त भार को कम करता है।

तनाव नियंत्रण भी महत्वपूर्ण है–मेडिटेशन, प्राणायाम और पर्याप्त नींद मानसिक शांति देने के साथ हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं। वजन नियंत्रित रखना, नियमित रूप से ब्लड प्रेशर, शुगर और कोलेस्ट्रॉल की जाँच कराना जोखिम को काफी हद तक कम करता है। पर्याप्त पानी पीना और दिनचर्या में सक्रियता बनाए रखना रक्तसंचार को सुचारु रखता है। इन आदतों को अपनाकर हृदय रोगों से बचाव और लंबी, स्वस्थ जीवनशैली प्राप्त की जा सकती है।

डॉ. सुनील जैन
मो. +919414063035

भारी वजन वाले मरीज की सफल रोबोटिक सर्जरी : डॉ. अमित गोयल

जयपुर के सवाई मानसिंह (SMS) अस्पताल के सर्जरी विभाग ने चिकित्सा जगत में एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। चिकित्सकों के एक दल ने 110 किलोग्राम वजन वाले 57 वर्षीय मरीज की जटिल सर्जरी रोबोटिक तकनीक के जरिए सफलतापूर्वक संपन्न की है।

चुनौती और समाधान

मरीज, जो स्वयं एक नर्सिंग सुपरिटेंडेंट हैं, लंबे समय से सांस फूलने और लगातार खांसी की समस्या से ग्रसित थे। अधिक वजन (ओबेसिटी) होने के कारण पारंपरिक लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में काफी जोखिम और तकनीकी अड़चनें थीं। ऐसे में डॉ. प्रभा ओम के मार्गदर्शन में प्रोफेसर डॉ. अमित गोयल और उनकी टीम ने आधुनिक रोबोटिक प्रणाली का उपयोग करने का साहसी निर्णय लिया।

डॉ. अमित गोयल

सर्जरी के मुख्य लाभ

सटीकता : रोबोटिक तकनीक से फेफड़ों की जटिल मरम्मत को बेहद बारीकी से अंजाम दिया गया।

न्यूनतम रक्तस्राव : सर्जरी के दौरान खून का बहाव बहुत कम रहा।

त्वरित रिकवरी : ऑपरेशन के बाद मरीज को दर्द कम महसूस हुआ और वे तेजी से रिकवर कर रहे हैं।

सफल टीम

इस सफल ऑपरेशन में डॉ. अमित गोयल, डॉ. प्रवीण जोशी और एनेस्थीसिया विभाग से डॉ. सुशील भाटी सहित डॉ. इंदु वर्मा और डॉ सुनील चौहान का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

डॉ. अमित गोयल
मो. 9413566614

होली की हार्दिक शुभकामनाएं
अग्रवाल प्रॉपर्टीज
एन आर आई सर्किल, जगतपुरा, जयपुर
मो. 9414097469, 8104400200

होली की हार्दिक शुभकामनाएं
दांतों के उपचार का आधुनिकतम केंद
असली मुस्कान वहीं, जहां दांत हों स्वस्थ और चमकदार
Dr. KSHITIJ MATHUR
(BDS, MAOI)
MUSKAAN
DENTAL CLINIC
C-19 Jyoti Marg Bapu Nagar Jaipur Mob-9829019558, 8949446572

राज कान नाक गला अस्पताल
Happy Holy
RAJ ENT HOSPITAL
मॉडर्न तकनीक. सटीक उपचार.
RGHS पंजीकृत हॉस्पिटल
Cochlear इंप्लांट
कान का बिना चीरे के ऑपरेशन की सुविधा
कैंसर का इलाज
कैशलेस उपचार की सुविधा
एस एफ एस चौराहा, बी-2 बाईपास रोड़, मानसरोवर, जयपुर
0141-4921093
7412012012

SMILE CRAFT
Pediatric Dental Clinic
Dr Simran Vangani
BDS gold medalist
MDS (pediatric and preventive dentistry)
L-24 Income Tax Colony
Durgapura Tonk Road
Jaipur Mo. 7976929423

Happy Holy
Dr. Goyal's
PATH LAB & IMAGING CENTRE
Dr. Piyush Goyal
MBBS, DMRD
Director & Chief Radiologist
• MRI (3 Tesla) • CT SCAN (32 Slice) • 3D/4D ULTRA SONOGRAPHY • COLOUR DOPPLER • CTMT • 2D ECHO • ECG • NCV • EEG • EMG • LABORATORY • DIGITAL X-RAY
B-51, Ganesh Nagar, Near Metro Pillar No. 109-110
New Sanganer Road, Sodala, Jaipur
Ph: 0141-2293346, 4049787, 9887049787

होली की हार्दिक शुभकामनाएं
ML SPINE AND ORTHOPAEDIC CENTER
Caring ....with excellence
MULTI SPECIALITY HOSPITAL
Dr. MOHIT MEENA
MS (ORTHO)
Fellowship Spine Fmiss (Mumbai)
Mo. 98290-30601
Dr. MOHAN LAL MEENA
SENIOR CHILD SPECIALIST
MD (PAEDIATRICS)
Mo. 91 98298-88355
D-311, Siddharth Nagar, Mother Teresa Colony, Gator Road, Jaipur

CKS HOSPITALS
Warmly Welcomes
होली की हार्दिक शुभकामनाएं
DR. SUSHRUT KALRA
MBBS,MS (General Surgery),
MCh (Plastic & Reconstructive Surgery) Fellowship in Hand Surgery and Breast Reconstruction (Chelmsford, UK) Fellowship in Cosmetic Surgery (Cadogan Clinic, UK)
Consultant : Plastic & Reconstructive Surgery
RGHS, CGHS, ECHS, ESIC, Indian Railway, Chiranjeevi & All TPA's
CKSHospitals www.ckshospitals.com
FOR APPOINTMENT 7230001367

होली की हार्दिक शुभकामनाएं
JKJ JEWELLERS
Satyanarayan Mosun
Since 1868
सोने को संभालने का कोई भी खतरा नहीं।
स्वर्ण समृद्धि योजना के साथ।
Secure investment financial benefit and monthly installment
JKJ JEWELLERS
विश्वास भी, विरासत भी
M.I.Road | Mansarovar | Vidhyadhar Nagar | Jagatpura
90012 08888 | 90012 07777 | 90016 36666 | 90018 35555

उपचार से बेहतर है रोकथाम, स्वस्थ शरीर के लिए व्यायाम

"विचार"

अर्जुन की आंख की तरह हो नजर

पंकज अंबा

अर्जुन की आँख तो सुनते आये हैं पर यह कबूतर की आँख कहाँ से आ गई, यह विचार तो आएगा सब के मन में इसे पढ़कर, पर सोच तो यह ही है हम काम करने से पहले कहते हैं कि अर्जुन की आँख की तरह काम पर नजर रखना रिजल्ट जरूर अच्छा आएगा, पर होता यह कि सिर्फ वो काम जिसमें हमको फायदा हो उसमें ही यह नजर काम करती है पर जिसमें किसी दूसरे का दूसरा तो छोड़ा अपने ही किसी का फायदा हो रहा हो यह नजर बदल जाती है।

जिस काम में अपना फायदा उसमें यह नजर पर जिसमें रिजल्ट पता हो उसमें यह नजर बदल जाती है। आँखें बंद कर लेते हैं। सोचकर खुद ही खुश हो जाते हैं कि हमको तो कुछ दिख ही नहीं रहा। यह जानते हुए भी उसकी नजर कबूतर की हो जाती है। हम सबकी नजरे इस कलयुग में बदल गई है। ध्यान में खुद को देखों नजर और नियत दोनों ही खराब हो चली है। शायद ही कोई बचा हो सक जानते हैं कि अच्छा बुरा क्या है पर खुद को इंसान से कबूतर बना बैठते ही सब को पता है जाना है। पर यह बात मानने को त्यार नहीं है। हमारी आँखों के सामने कितने लोग आते हैं जन्म लेते हैं और कितनों को हम कच्चा दे आए

होंगे यह देखकर तो मन में एक बात बैठ ही गई है कि नियंत्रण कहीं ओर से हो रहा है पर इस चीज को भी हम नहीं समझते देखते हुए भी नहीं देखते कबूतर बन जाते हैं। सफल जीवन की परिभाषा क्या होती है। खूब पैसा कमाना 'नाम कमाना, बच्चों को अच्छा सेट करना यह सब आपकी और कलयुग की सोच है मेरी नजर में सफल जीवन उसका है जो जिदंगी को समझ गया। समझ गया कि आने वाला पल मेरा है कि नहीं मुझे ही नहीं पता ऊपर वाला दिखाएगा तो देख पाउँगा वरना मैं-मैं करता ही रहूंगा। 98 प्रतिशत और लोगों की तरह। 2 प्रतिशत ही लोग होंगे जो समझ पाए होंगे और दूसरों को समझानेकी कोशिश करते होंगे। इस चीज को समझो और देखों अर्जुन की तरह। लोग समझते तो है पर मानते नहीं अच्छे कर्म अपने कर्म क्षेत्र में लाते ही नहीं और अगर लाते भी हैं तो इसका रिजल्ट रुपयों में तौलने लगते हैं। मैं अभी एक मंदिर में गया था उनके मैनेजमेंट से पूछा कि में यहां एक दिन दरबार लगाना चाहता हूं लोगों का भला हो जाएगा। वो बोले जगह मिल जाएगी। फीस जमा करा दो। मैंने कहा मैंने ही फीस कभी नहीं ली तो आपको क्या दूंगा। बोले रसीद तो कटवानी पड़ेगी ही। मंदिर है या मेरिज गार्डन। भगवान ही मलिक है।

संपर्क सूत्र- पंकज अंबा
मो. 9829353757

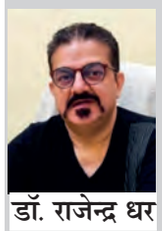

डॉ. राजेन्द्र धर

हाई ब्लड प्रेशर
साइलेंट किलर से बचाव और उपचार

हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप) को 'साइलेंट किलर' कहा जाता है क्योंकि इसके लक्षण अक्सर तब तक प्रकट नहीं होते जब तक कि शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को गंभीर नुकसान न पहुँच जाए।

निम्स मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर और विभाग अध्यक्ष डॉ राजेंद्र धर ने सावधानी और बचाव के उपाय बताते हुए कहा

बचाव ही इसका सबसे प्रभावी इलाज है।

अपनी दिनचर्या में ये बदलाव करें : नमक पर नियंत्रण : दैनिक आहार में नमक की मात्रा सीमित करें (5 ग्राम से कम)।

सक्रिय जीवनशैली : प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट पैदल चलें या व्यायाम करें।

डैश (DASH) डाइट : फल, सब्जियां, और साबुत अनाज का अधिक सेवन करें।

तनाव प्रबंधन : योग और ध्यान (Meditation) को अपनाएं।

उपचार की प्रक्रिया

उच्च रक्तचाप का उपचार निरंतरता की मांग करता है:

नियमित निगरानी : घर पर डिजिटल बीपी मशीन से नियमित चेकअप करें।

दवाइयां : डॉक्टर द्वारा सुझाई गई दवाओं को बिना उनकी सलाह के कभी बंद न करें।

वजन नियंत्रण : शरीर का वजन कम करने से रक्तचाप में उल्लेखनीय सुधार होता है।

भ्रांति (Myth) तथ्य (Fact)

भ्रांति: लक्षण न होने पर दवा की जरूरत नहीं है।

तथ्य : बीपी के लक्षण नहीं दिखते, फिर भी यह अंदरूनी अंगों को नुकसान पहुँचाता रहता है।

भ्रांति : अगर एक बार बीपी कम हो जाए, तो दवा बंद कर सकते हैं।

तथ्य : दवा बंद करने से बीपी अचानक बढ़ सकता है, जो स्ट्रोक का कारण बनता है।

भ्रांति: हाई बीपी सिर्फ बुजुर्गों की बीमारी है।

तथ्य: आजकल तनाव और खराब खान-पान के कारण युवाओं में भी यह तेजी से बढ़ रहा है।

संपर्क सूत्र डॉक्टर राजेंद्र धर
मो 94140 73962

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा विभाग की अनुदान मांगें पारित

स्वास्थ्य क्षेत्र में बजट, इन्फ्रास्ट्रक्चर और मानव संसाधन तीनों में हुई बड़ी वृद्धि, दो साल में हुई 35 हजार से ज्यादा भर्तियां

जयपुर (हैल्थ व्यू)

,चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि राज्य सरकार के विगत दो वर्ष के समय में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए बजट, इन्फ्रास्ट्रक्चर और मानव संसाधन तीनों में बड़ी वृद्धि हुई है। कई मामलों में यह वृद्धि पूर्ववर्ती सरकार के पांच वर्ष से काफी अधिक है। राज्य सरकार की स्वास्थ्य को लेकर इस प्रतिबद्धता से शहरों से लेकर गांव-ढाणी तक चिकित्सा सेवाएं गुणवत्ता और सुगमता से मिल रही हैं।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री विधान सभा में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की (मांग संख्या-27) एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की (मांग संख्या-28) अनुदान मांगों पर हुई बहस

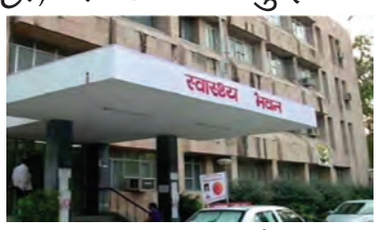

का जवाब दे रहे थे। चर्चा के बाद सदन ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की 158 अरब 55 करोड़ 37 लाख 75 हजार रूपए एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की 61 अरब 30 करोड़ 85 लाख 94 हजार रूपए की अनुदान मांगें ध्वनिमत से पारित कर दीं।

डब्ल्यूएचओ के मापदण्डों के अनुसार बढ़ा राजस्थान में स्वास्थ्य बजट — खींवसर ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता इससे पता चलती है कि डब्ल्यूएचओ के अनुसार किसी भी देश की जीडीपी का 7.5 प्रतिशत बजट स्वास्थ्य पर खर्च होना चाहिए। यह प्रसन्नता की बात है कि राजस्थान का प्रतिशत इस लिहाज से 7.5 प्रतिशत है।

23 नए मेडिकल कॉलेज, 2 साल में बढ़े 6400 बैड — चिकित्सा मंत्री ने स्वास्थ्य के आधारभूत ढांचे का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश में 20 हजार से अधिक चिकित्सा संस्थान उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 तक प्रदेश में मात्र 8 मेडिकल कॉलेज थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हर जिले में मेडिकल कॉलेज की नीति के कारण वर्ष 2016 के बाद 23 नए मेडिकल कॉलेज राजस्थान में स्थापित हुए।

दुर्लभ बीमारियों के प्रति जागरूकता अत्यंत आवश्यक

दुर्लभ बीमारियों पर जागरूकता जरूरी, विशेषज्ञों ने दी समय पर निदान की सलाह

जयपुर (हैल्थ व्यू)

एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर के डिपार्टमेंट ऑफ मेडिकल जेनेटिक्स और Rare Disease India Foundation की ओर से जे.के. लोन अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने कहा कि दुर्लभ बीमारियों के प्रति जागरूकता अत्यंत आवश्यक है।

प्रोफेसर डॉ. प्रियांशु माथुर और फाउंडेशन के निदेशक सौरभ सिंह ने बताया कि देश में दुर्लभ बीमारियों से प्रभावित मरीजों की संख्या बड़ी है, लेकिन जागरूकता की कमी के कारण इनके निदान और उपचार में अनावश्यक देरी होती है। उन्होंने कहा कि न्यूबॉर्न स्क्रीनिंग और एडवांस्ड जेनेटिक टेस्टिंग जैसी आधुनिक तकनीकों की मदद से इनका समय पर पता लगाया जा सकता है, जिससे उपचार की सफलता कई गुना बढ़ जाती है।

उद्घाटन समारोह में जे.के. लोन अस्पताल के अधीक्षक डॉ. आर.एन. सेहरा, विशिष्ट अतिथि डॉ. कैलाश मीणा और सामाजिक कार्यकर्ता मनु कंबोज उपस्थित थे। पैनल डिस्कशन के दौरान डॉ. मनीषा गोयल, डॉ. रामबाबू शर्मा, डॉ. भावना शर्मा और अन्य विशेषज्ञों ने कहा कि दुर्लभ बीमारियों के प्रबंधन के लिए मल्टी-डिसिप्लिनरी अप्रोच बेहद जरूरी है, जिसमें बाल रोग विशेषज्ञ, जेनेटिक्स विशेषज्ञ, काउंसलर और थेरेपी विशेषज्ञ सभी की समान भूमिका होनी चाहिए।

रोटरी क्लब जयपुर साउथ का सराहनीय कदम

300 बच्चों की हुई निशुल्क नेत्र जांच

जयपुर। सामाजिक सरोकार की दिशा में रोटरी क्लब जयपुर साउथ और कनाडा विजन केयर टीम के संयुक्त तत्वावधान में जेएलएन मार्ग स्थित आनंदीलाल पोद्दार मूक बधिर स्कूल में एक निशुल्क नेत्र जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया।

शिविर का विधिवत उद्घाटन डॉ. नवल अग्रवाल, डॉ. एस. भंडारी, रत्नेश कश्यप और संजय ने दीप प्रज्वलित कर किया। स्कूल के प्राचार्य भारत जोशी और ध्रुव दास अग्रवाल ने बताया कि इस शिविर में 300 से अधिक विद्यार्थियों की आंखों की जांच की गई और आवश्यकतानुसार उन्हें निशुल्क चश्मे भी वितरित किए गए।

ना गैस और ना पेट दर्द... बदहजमी खराब नहीं कर पाएगी होली का मजा

हम अपनी भूख से ज्यादा और काफी तली-भुनी चीजें खा लेते हैं। दिन भर तरह-तरह के स्नैक्स और मिठाइयों का यह मेल हमारे पाचन तंत्र पर भारी पड़ जाता है।

हैल्थ व्यू। होली का त्योहार अपने साथ रंगों की मस्ती और गुजिया, मठरी, और ठंडाई जैसे स्वादिष्ट पकवानों की सौगात लाता है। लेकिन अक्सर त्योहार के उत्साह में हम अपनी भूख से ज्यादा और काफी तली-भुनी चीजें खा लेते हैं। दिन भर तरह-तरह के स्नैक्स और मिठाइयों का यह मेल हमारे पाचन तंत्र पर भारी पड़ जाता है जिससे एसिडिटी, पेट फूलना और बदहजमी जैसी समस्याएं घेर लेती हैं।

बदहजमी और भारीपन दूर करने के तरीके - अगर आप भी होली की मस्ती के बाद पेट में भारीपन महसूस कर रहे हैं तो घबराने की जरूरत नहीं है। आपकी रसोई में ही कुछ ऐसी जादुई चीजें मौजूद हैं जो मिनटों में आपकी इस बेचैनी को दूर कर सकती हैं।

गुनगुना पानी और नींबू: बदहजमी होने पर तुरंत एक गिलास गुनगुना पानी पिएं। इसमें थोड़ा सा नींबू का रस और काला नमक मिलाने से पाचन प्रक्रिया तेज होती है और गैस से राहत मिलती है।

अजवाइन और काला नमक: आधा चम्मच अजवाइन को थोड़े से काले नमक के साथ चबाकर खाएं और ऊपर से हल्का गर्म पानी पी लें। यह पेट दर्द और भारीपन के लिए रामबाण इलाज है।

अदरक की चाय या रस: अदरक पाचन के लिए बहुत अच्छा होता है। आप अदरक का एक छोटा टुकड़ा चबा सकते हैं या अदरक और

पुदीने की बिना दूध वाली चाय पी सकते हैं।

हींग का पानी: अगर पेट फूल रहा हो या गैस बन रही हो तो एक चुटकी हींग को गुनगुने पानी में घोलकर पिएं। छोटे बच्चों के मामले में हींग का पेस्ट नाभि के आसपास लगाने से भी राहत मिलती है।

छाछ : भुना हुआ जीरा और काला नमक डालकर ताजी छाछ पिएं। यह पेट को ठंडक देती है और भारी खाने को पचाने में मदद करती है।

सौंफ का सेवन : भोजन के बाद एक चम्मच सौंफ चबाने से सलाइवा यानी लार अधिक बनती है जो पाचन में सहायक होती है।

राष्ट्रीय आयुष मिशन में नई भर्तियों से होम्योपैथिक चिकित्सक नाराज़

जयपुर। प्रदेशभर के होम्योपैथिक चिकित्सकों ने राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के संचालन के लिए हाल ही में निकाली गई भर्तियों में होम्योपैथिक वर्ग को शामिल नहीं करने पर कड़ा विरोध जताया है। आरोप है कि मिशन की 1500 से अधिक पदों वाली नई विज्ञप्ति में होम्योपैथिक चिकित्सकों के लिए एक भी पद सृजित नहीं किया गया, जबकि वे आयुष चिकित्सा प्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

प्रदेश संयोजक डॉ. राजेश मीणा ने कहा कि यह निर्णय न केवल भेदभावपूर्ण है बल्कि लाखों होम्योपैथिक रोगियों की चिकित्सा सेवाओं पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। उन्होंने चेताया कि यदि सरकार ने संशोधित विज्ञप्ति जारी नहीं की तो संगठन राज्यव्यापी आंदोलन की रणनीति बनाएगा।

चिकित्सकों का कहना है कि आवश्यक दवाओं की कमी, लंबित पदोन्नति और नियुक्तियों जैसी समस्याएँ पहले से मौजूद हैं, ऐसे में नई भर्तियों में उपेक्षा स्वीकार नहीं की जाएगी।

उपस्वास्थ्य केंद्रों पर फार्मासिस्ट की नियुक्ति की मांग तेज

जयपुर । प्रदेश के कई उपस्वास्थ्य केंद्रों पर बिना पंजीकृत फार्मासिस्ट के दवाइयों का भंडारण और वितरण होने पर स्वास्थ्य संगठनों ने आपत्ति जताई है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रवीण कुमार ने कहा कि राज्य के कई केंद्रों पर 100 से अधिक प्रकार की दवाओं का प्रबंधन गैर-तकनीकी कार्मिकों द्वारा किया जा रहा है, जो ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट का स्पष्ट उल्लंघन है।

उन्होंने बताया कि उपस्वास्थ्य केंद्रों में कई दवाएँ शेड्यूल H, H1 और त्र श्रेणी की होती हैं, जिनका रखरखाव, वितरण और रिकॉर्ड केवल पंजीकृत फार्मासिस्ट ही कर सकता है।

होली की हार्दिक शुभकामनाएं
माथुर हॉस्पिटल
सम्पूर्ण सर्जिकल एवं गायनोलाजिकल उपचार का केन्द्र
डॉ. विदित माथुर
रेडियोलोजिस्ट
डॉ. सुमिता माथुर
गायनोकोलोजिस्ट
सेक्टर तीन प्रताप नगर जयपुर मो. 9829793545

हैप्पी होली

होली की हार्दिक बधाई
ड्रग सेन्टर
सुमित्रा मीरा पाटोदिया परिवार की ओर से होली की हार्दिक शुभकामनाएं
मीरा हॉस्पिटल प्रांगण, शिव मार्ग बनीपार्क जयपुर
मो - 9828018899

होली की हार्दिक बधाई
एम. के. पॉली क्लिनिक
सेवाएं उपलब्ध है
डॉ. नितिन नैगी (यूरोलोजी)
डॉ. अंकित शर्मा (ओर्थो)
डॉ. भगवान दास (चर्म रोग)
डॉ. महेश कुमार (फीजिशियन)
नायला रोड़, कानोता जयपुर मो. 9828210089

होली की हार्दिक बधाई
Dr. Rajendra yadav
BDS, MDS, Master of implantology (USA)
G.L. Memorial Superspeciality
Raj Dental Hospital
G-1A&B Anukampa Apartment Model Town, Malviya Nagar, Jaipur Mob- 9784804833

Fixed Teeth only in 1 Hour
Dr. Preeti Mittal
ORAL DENTAL SURGEON
105, vrindavan vihar colony King's Road Nirman Nagar Jaipur
Mo: 9829460460

H.N. NURSING HOME
चूरू क्षेत्र का एक विश्वसनीय केन्द्र
DR. MUMTAJ ALI
Churu- Rajsthan
Mob. 9414084525
Ph: 250763

सूचना
हैल्थ व्यू में प्रकाशित लेख लेखकों के अपने विचार हैं और केवल आपकी जानकारी के लिए है कोई भी लेख पर अमल करने से पूर्व अपने चिकित्सक से परामर्श अवश्य कर लें। हैल्थ व्यू के सम्पादक, प्रकाशक व मुद्रक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।
THE EDITTORIAL BOARD DOES NOT ENDORSE ANY PRODUCTS ADVERTISED IN THIS NEWSPAPER.
किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र केवल जयपुर होगा।

प्रत्येक अंतिम शनिवार को नि:शुल्क
एक्युप्रेशर व रेकी चिकित्सा जिसमें शारीरिक, मानसिक व चर्म से संबंधी रोगों का उपचार
संपर्क सूत्र
आकृति क्लिनिक
डॉ. पमिला छाबड़ा
मो. : 9829735666
रेकी व एक्युप्रेशर प्रशिक्षण हेतु संपर्क करें

होली की हार्दिक शुभकामनाएं
आदर्श दमा मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल
सन 2007 से सेवारत
डॉ कोपल अग्रवाल MS Gynae
डॉ मोनिका अग्रवाल MS Gynae
डॉ दिनेश गुप्ता शिशु रोग विशेषज्ञ
डॉ भरत शर्मा शिशु रोग विशेषज्ञ
हमारे विशेषज्ञ
निदेशक: डॉ जे एस चौधरी
परामर्श दाता डॉ चेतन्य शर्मा MBBS MD
डॉ लेखराज शर्मा MBBBS MD
डॉ प्रदीप अग्रवाल MBBS MD
राज विलास होटल और बाबा जी मोड़ के मध्य गोनेर रोड जयपुर मो.9414359701

LIFE SAVER
A SHOP OF LIFE SAVING DRUGS
STOCKISTS FOR
Cancer & Cardiac Medicines, Disposable Surgery Items Nutrition Fluids
168, Nehru Bazar, JAIPUR
TelÑ 2313129, 2310483, 2313281, MobÑ 98290-14267
DELIVERY FACILITY AVAILABLE

होली की हार्दिक शुभकामनाएं
श्याम चिकित्सालय
डॉ चेतन सिंह राजावत
B.U.M.S Ayurvedya Ratna, DAC, D.Mag. ND
रावल जी का बाजार, जोरावर सिंह गेट के पास, गंगापोल रोड, जयपुर
मो- 9829405418

ASHOKA FURNISHINGS
31, Sarawgi Mansion, M.I. Road, Jaipur,
Tel - 0141-2576526/2572505

होली की हार्दिक शुभकामनाएं
निम्ट कॉलेज ऑफ फिजियोथेरपी
Recognized by the Medical & Health Department, Govt. of Rajasthan
(Affiliated to Rajasthan University of Health Science)
MBBS में सेलेक्शन नहीं हुआ, निराश न हो शानदार मेडिकल कैरियर विकल्प है। ADMISSION OPEN
बीपीटी-बैचलर ऑफ फिजियोथेरापी
Become a Doctor of Physiotherapy
कॉलेज द्वारा छात्रवृत्ति प्रत्येक छात्र को
Internationally Recognized Degree in Faculty of Medicine
Duration : 4 Years & 6 months internship
Eligibility : 10+2 PCB with minimum 45%
Age : Minimum age 17 Years as on 31st Dec.
Scholarship : Scholarship provide as per Govt. policy SC/ST, SBC, OBC-BPL & Others.
CONTACT
52 फुट हनुमान जी, बगराना, आगरा रोड, जयपुर-302012
मो.- 9928592235, 9829031341,
www.nimtconpms.com

JANGID HOSPITAL
Nawalgarh, Jhunjhunu Distt.
झुझंनु जिले के निवासियों की स्वास्थ्य रक्षा का प्रहरी
Dr. Manish Sharma
Consultant Anaesthesiologist & Intensivist
Mo: 9414402800, Ph: 1594-225500

MAHAVEER DIAGNOSTIC
Super Speciality Lab
Thyroid ♦ Harmones ♦Tumour Markers ♦ Infertility/ Pregnency Hormones♦ Torch ♦ Metabolic Hormones ♦ Druf Assays
Dr. Manoj Jain
Mob. 94144-60959
ECHO & COLOR DOPPLER CENTRE
Whole Body Color Doppler Study, 2 D Echo- Adult & Paediatric, Carotid Doppler, Peripheral & Renal Doppler, Small Parts - Penile Doppler, Fetal Doppler & Echo
Manav Ashram, Gopalpura Mod, Jaipur Ph: 2704787

भ्रष्टाचार के प्रहार और जड़ों में जमा ज़हर

संपादकीय

एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) की हालिया सक्रियता और ताबड़तोड़ छापों ने यह तो सिद्ध कर दिया है कि एजेंसियां सतर्क हैं, लेकिन कड़वी सच्चाई यह है कि भ्रष्टाचार के कदम थमने का नाम नहीं ले रहे। करोड़ों की नकदी और बेनामी संपत्तियों की बरामदगी अब महज़ अखबारों की सुर्खियां बनकर रह गई हैं। हालिया उदाहरणों को देखें तो सरकारी विभागों में चपरासी से लेकर शीर्ष अधिकारियों तक की मिलीभगत सामने आई है। ताज़ा मामलों में इंजीनियरिंग विभाग और राजस्व सेवाओं में जिस तरह से 'फिक्स्ड कमीशन' के खेल का पर्दाफाश हुआ है, वह तंत्र की सड़ांध को दर्शाता है।

तंत्र में गहरे धंसी जड़ें

भ्रष्टाचार की जड़ें अब ऊपर से नीचे तक एक सुव्यवस्थित नेटवर्क की तरह फैल चुकी हैं। जब रक्षक ही भक्षक बन जाएं और नीति-निर्धारक ही भ्रष्टाचार के पोषक बन जाएं, तो केवल छापों से समाधान संभव नहीं है। ACB ने इस वर्ष रिकॉर्ड केस दर्ज किए हैं, फिर भी अपराधियों में कानून का खौफ नहीं दिख रहा। इसका मुख्य कारण न्याय प्रक्रिया में देरी और ऊंचे रसूख के दम पर बच निकलने का विश्वास है।

परिवर्तन की आवश्यकता

सिर्फ एसी कमरे में बैठकर छापे मारना पर्याप्त नहीं है; हमें इस 'सिस्टम' की सफाई करनी होगी। जब तक जनता जागरूक नहीं होगी और 'जो प्राप्त है, वह पर्याप्त है' के सिद्धांत को नहीं अपनाएगी, तब तक यह लालच खत्म नहीं होगा। भ्रष्टाचार की यह दीमक हमारी नई पीढ़ी के भविष्य को खोखला कर रही है। अब समय है कि हम केवल एसीबी की कार्रवाई पर निर्भर न रहकर, एक ईमानदार सामाजिक ढांचे का निर्माण करें।

सिर्फ एक्सपायरी डेट नहीं दवा के पत्ते पर बने निशानों पर भी दें ध्यान

आमतौर पर केमिस्ट शॉप से दवाई लेते समय लोग एक्सपायरी डेट देखते हैं और उसकी कीमत देखते हैं । इस दौरान वे दवा के रैपर पर बने वो निशान नजरअंदाज कर देते हैं, जो कि बेहद अहम होते हैं. ये निशान दवा के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देते हैं कि उन्हें खरीदना चाहिए या नहीं या वो दवाई नशीली तो नहीं है।

जानें किस निशान का है क्या मतलब

XRx का निशान - आमतौर पर मेंटल डिस्ऑर्डर्स के इलाज में जो मेडिसिन उपयोग हाती हैं उन पर XR× लिखा होता है । ये

दवाएं नशीली होती हैं। बिना प्रिस्क्रिप्शन के कोई भी मेडिकल स्टोर ये दवाएं नहीं बेच सकता है। साथ ही दवा बेचने पर उसे प्रिस्क्रिप्शन की कॉपी 2 साल तक संभालकर रखनी होती है।

NR× का निशान - ये दवाएं डिप्रेशन, एंजाइटी या किसी बुरी लत को दूर करने के ट्रीटमेंट में इस्तेमाल होती हैं. ये दवाएं बिना डॉक्टर के सलाह के ना ली जा सकती हैं और ना ही बिना प्रिस्क्रिप्शन के बेची जा सकती हैं।

R× का निशान – ये दवाएं भी डॉक्टर की सलाह से ही लेनी चाहिए लेकिन यह सामान्य दवाएं होती हैं।

रेड लाइन – रैपर पर बनी लाल रंग की पट्टी की दवाएं भी डॉक्टर की सलाह से ही लें। आमतौर पर यह पट्टी एंटीबायोटिक दवाइयों पर होती है. इन्हें खरीदने से पहले भी डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामया।

सोच बदलनी होगी यह कहावत शाश्वत सत्य है । सभी सुखी हों सभी रोग मुक्त रहें हम सभी मंगलमय घटनाओं के साक्षी बने और किसी को भी दुख का भागी न बनना पड़े।

श्रंखला 89

सोच बदलनी होगी

डॉ मान सिंह भांवरिया

ॐ

शांति शांति शांति

इसका उच्चारण करके देखो कितनी शांति प्राप्त होगी। आज हम इस मुहावरे के अनुसार आपको जीवन जीने के तरीके के बारे में बताएंगे। हम जिस आपाधापी और भागदौड़ वाली जिंदगी में जीवन यापन कर रहे हैं सोच बदलनी होगी। कुछ बिंदुओं के द्वारा हमने जीवन को सही मार्ग पर लाने के लिए समझाने की कोशिश की है।

भ्रष्टाचार : खोखला होता भविष्य और बदलती सोच

भ्रष्टाचार केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि एक सामाजिक कैंसर है जो हमारी आने वाली पीढ़ी की नींव को खोखला कर रहा है। आज हम भौतिक सुख-सुविधाओं की अंधी दौड़ में यह भूल गए हैं कि गलत तरीके से कमाया गया धन कभी 'फलता' नहीं है। बड़े-बुजुर्ग कह गए हैं कि अनैतिक मार्ग से आया पैसा बीमारी, कलह और अशांति ही लाता है। यह हमारे पास टिकता नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और मानसिक शांति को भी साथ ले जाता है।

सोच बदलनी होगी

हमारी पीढ़ी पर प्रभाव

जरा सोचिए, जब भ्रष्टाचार के आरोपों में किसी व्यक्ति का नाम मीडिया में उछलता है, तो उसके बच्चों पर क्या बीतती होगी? जिस पिता या माता को वे अपना आदर्श मानते थे, उन्हें समाज की नज़रों में गिरते देख उनके कोमल मन पर जो

चोट लगती है, उसकी भरपाई कोई दौलत नहीं कर सकती। क्या आपकी पत्नी या बच्चे वास्तव में उस ऐशो-आराम को पसंद करेंगे जो आपकी ईमानदारी की बलि देकर हासिल किया गया हो ? शायद कभी नहीं।

समाधान: 'जो प्राप्त है, वह पर्याप्त है' – इस जहर को रोकने का एकमात्र तरीका है–अपनी सोच को बदलना। हमें अपनी भावी पीढ़ी को यह शिक्षा देनी होगी कि 'जो प्राप्त है, वह पर्याप्त है।

संतोष ही सबसे बड़ा धन है। जब तक हम 'जरूरत' और 'लालच' के बीच की रेखा नहीं पहचानेंगे, भ्रष्टाचार नहीं रुकेगा। हमें अपने बच्चों को विरासत में आलीशान बंगले और बैंक बैलेंस देने से पहले 'ईमानदारी का चरित्र' देना होगा। यदि हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे गर्व से सिर उठाकर जिएं, तो आज हमें रिश्वत और भ्रष्टाचार की इस दीमक को अपनी सोच से बाहर निकालना होगा।

संपर्क सूत्र
डॉ. मान सिंह भांवरिया
मो. 9672777737

गोरा बनाने वाली क्रीम में स्टेरॉयड का उपयोग स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा

आधुनिक चिकित्सा में एपिलेप्सी के इलाज के लिए कई उन्नत तकनीकें उपलब्ध

आज के समाज में गोरी त्वचा की चाहत ने कई लोगों को त्वचा को गोरा बनाने वाली क्रीम की ओर आकर्षित किया है। हालांकि, इन क्रीमों में स्टेरॉयड का अंधाधुंध उपयोग स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। सरकार ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए स्टेरॉयड मिश्रित क्रीमों की बिक्री पर नए नियम लागू किए हैं, जिससे इनका उपयोग सुरक्षित और नियंत्रित हो सके।

डॉ रामसिंह मीणा

स्टेरॉयड युक्त क्रीम के दुष्प्रभाव – एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर प्रसिद्ध चर्म रोग विशेषज्ञ डॉक्टर राम सिंह मीणा के अनुसार, लंबे समय तक स्टेरॉयड युक्त क्रीम का उपयोग त्वचा संबंधी कई समस्याओं का कारण बन सकता है, जैसे – त्वचा का पतला होना, लालिमा और जलन, खुजली और दाने, अनचाहे बालों का उगना, त्वचा का असमान रंग आदि।

इन दुष्प्रभावों के बावजूद, कई लोग बिना डॉक्टरी सलाह के इन क्रीमों का उपयोग करते हैं, जिससे उनकी त्वचा को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है।

सरकार ने स्टेरॉयड मिश्रित क्रीमों की अनियंत्रित बिक्री को रोकने के लिए इन्हें ओवर द काउंटर बिक्री सूची से हटाकर ड्यूल-एच श्रेणी में शामिल किया है। इसका अर्थ है कि अब इन क्रीमों को खरीदने के लिए डॉक्टर की पर्ची आवश्यक होगी। इस नियम का उल्लंघन करने वाले विक्रेताओं पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) सख्त कार्रवाई करेगा। डेसोनाइड और बेक्लोमेथासोन जैसे स्टेरॉयड युक्त क्रीमों के लिए अब डॉक्टरी सलाह अनिवार्य है।

सावधानी और जागरूकता की आवश्यकता – स्टेरॉयड युक्त क्रीमों के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों में जागरूकता की कमी है। बिना उचित जानकारी और डॉक्टरी सलाह के इन क्रीमों का उपयोग स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए, यह आवश्यक है कि लोग गोरा बनाने वाली क्रीमों के उपयोग से पहले उनके संभावित दुष्प्रभावों के बारे में जानें और किसी भी क्रीम का उपयोग करने से पहले त्वचा विशेषज्ञ से परामर्श करें।

संपर्क सूत्र डॉ रामसिंह मीणा
मो – 9829177003

सावधान! सर्दी-जुकाम की दवा निकली नकली

YL फार्मा के क्वालिटी सिस्टम पर उठे गंभीर सवाल

जयपुर। राजस्थान में स्वास्थ्य विभाग की ड्रग टेस्टिंग लैब ने एक बार फिर दवाओं की गुणवत्ता को लेकर रेड सिग्नल जारी किया है।

ताजा ड्रग अलर्ट में सोलन (हिमाचल प्रदेश) स्थित वाईएल फार्मा (YL Pharma) की सर्दी-जुकाम और बुखार के लिए इस्तेमाल होने वाली दवा के चार सैंपल नकली पाए गए हैं।

क्या है पूरा मामला? – आयुक्त (फूड सेफ्टी एंड ड्रग कंट्रोल) द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, वाईएल फार्मा की कॉम्बिनेशन दवा (Paracetamol, Phenylephrine HCl, Diphenhydramine Hydrochloride और Caffeine) का बैच नंबर YLT 25023 जांच में पूरी तरह अमानक (Spurious) पाया गया है। ड्रग कंट्रोलर अजय फाटक ने प्रदेश भर के औषधि नियंत्रण अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इस विशेष बैच के स्टॉक को तुरंत बाजार से जब्त किया जाए।

पुराना ट्रैक रिकॉर्ड : सुधार की जगह बढ़ी लापरवाही – यह पहली बार नहीं है जब वाईएल फार्मा की दवाओं ने लैब टेस्ट में दम तोड़ा हो। इससे पहले भी इस कंपनी के विभिन्न दवाओं के सैंपल फेल हो चुके हैं, जो इसके खराब क्वालिटी कंट्रोल सिस्टम (Quality Control System) की ओर इशारा करते हैं। बार-बार विफल हो रहे सैंपल्स के बावजूद बाजार में दवाओं की मौजूदगी सिस्टम की बड़ी चूक मानी जा रही है।

सेहत पर भारी पड़ सकता है यह 'शॉर्टकट'

विशेषज्ञों के अनुसार, यह फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन (FDC) सिरदर्द, नाक बंद और एलर्जी में दी जाती है। लेकिन अगर दवा नकली या अमानक है, तो:

बीमारी ठीक होने के बजाय और गंभीर हो सकती है। – लिवर डैमेज और ब्लड प्रेशर बढ़ने का खतरा रहता है।

हृदय गति अनियंत्रित होना और घबराहट जैसे साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं।

निम्न कंपनियों की अमुक बैच नंबर की दवाइयां भी मानक पर खरी नहीं उतरी। पैंटोप्राजोल (एसिडिटी के लिए) जी लैबोरेटरीज (G Laboratories) मानक गुणवत्ता (Standard Quality) पर खरी नहीं उतरी। एमोक्सीसिलिन (एंटीबायोटिक) मेक्सिक हेल्थकेयर (Maxic Healthcare) घुलनशीलता (Dissolution) में कमी।

डाइक्लोफेनाक जेल (दर्द निवारक) स्कॉट एडिल (Scott Edil) सक्रिय तत्वों (Active Ingredients) की मात्रा कम मिली।

जांच में 4 दवाएं अमानक, बाजार से हटाने के आदेश

औषधि नियंत्रण अधिकारियों को बाजार से स्टॉक जब्त करने के निर्देश दिए

हैल्थ व्यू

सरकारी ड्रग्स लैब की जांच में बुखार, पैन किलर, एलर्जी और फंगल इंफेक्शन में काम आने वाली कई दवाएं अमानक पाई गई हैं। आयुक्त (फूड सेफ्टी एंड ड्रग कंट्रोल) की ओर से जारी ड्रग अलर्ट में संबंधित दवाओं के निर्माण और बिक्री पर रोक लगाते हुए औषधि नियंत्रण अधिकारियों को बाजार से स्टॉक जब्त करने के निर्देश दिए गए हैं। ड्रग कंट्रोलर के अनुसार अजीतगढ़ (सीकर) की जीबीएन फार्मास्यूटिकल की फीनेरामीन मेलेट इंजेक्शन के दो बैच, सिकंदरा की सेफकॉन लाइफ साइंसेज की ओफ्लोक्सेसिन एंड ओरनीडाजोल, हिमाचल प्रदेश स्थित ग्रेम्पस लैबोरेट्री का प्रोपोक्सर सल्फेनिलामाइड एंड सीट्रीमाइड डिस्टिंग पाउडर, रूड़की की स्टेफोर्ड लैबोरेट्री की एसेक्लोफेनाक, पैरासिटामॉल व सिरेटोपेप्टिडेज टैबलेट, सोलन की बेनट फार्मास्यूटिकल की पैरासिटामॉल टैबलेट तथा गेगल की पार्थ फार्मूलेशन की आइबूप्रोफेन एंड पैरासिटामॉल टैबलेट अमानक पाई गई हैं।

इधर, हरिद्वार की जेपी ड्रग्स की कैल्शियम विथ विटामिन-डी3 सस्पेंशन के चार सैंपल जांच में नकली मिले हैं। परीक्षण में विटामिन-डी3 का घटक शून्य पाया गया। चिकित्सकों के अनुसार नकली दवा लेने से रोग पर अपेक्षित प्रभाव नहीं पड़ता।

दवा बनाने वाली अवैध फैक्ट्री का भंडाफोड़, 935 किलो नकली दवाएं मिलीं

तेलंगाना के खम्मम जिले में दवाओं का निर्माण करने वाली एक अवैध फैक्ट्री पकड़ में आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फैक्ट्री में कैंसर की भी नकली दवाएं बनाई जा रही थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तेलंगाना के औषधि नियंत्रण प्रशासन ने खम्मम जिले में बिना लाइसेंस वाली इस दवा निर्माण फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है।

बताया जा रहा है कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर अफसरों की एक विशेष टीम ने खम्मम जिले के तल्लाडा मंडल के अन्नारुगुडेम गांव में TSIIC इंडस्ट्रियल पार्क में बिना लाइसेंस वाली दवा निर्माण फैक्ट्री के परिसर पर छापा मारा।

परिसर में दवाओं की भारी मात्रा बरामद की गई – रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फैक्ट्री एस्पेन बायोफार्मा की है और DCA अधिकारियों ने दवाओं के अवैध निर्माण का पता लगाया है। परिसर में सक्रिय फार्मास्युटिकल अवयव वाल्सार्टन और क्लोपिडोग्रेल पाए गए हैं।

DCA के महानिदेशक वी. बी. कमलासन रेड्डी ने कहा कि परिसर में लगभग 935 किलोग्राम दवाओं का भंडार पाया गया है। उन्होंने बताया कि यह फैक्ट्री कादरी सतीश रेड्डी के करीबी रिश्तेदार उपेंदर रेड्डी द्वारा संचालित की जा रही थी, जिनके हैदराबाद के माचा बोल्लाराम में बिना लाइसेंस वाले परिसर पर 4 दिसंबर को डीसीए अधिकारियों ने छापा मारा था।

छापे में मिली थीं कैंसर की नकली दवाएं – मारे गए छापे में 4.35 करोड़ रुपये की नकली कैंसर रोधी और अन्य दवाएं जब्त की गई थीं।

मुख्य आरोपी कादरी सतीश रेड्डी, जो 4 दिसंबर को अपने परिसर से नकली दवाओं की जब्ती के बाद फरार हो गया था, अन्नारुगुडेम गांव में नकली दवाओं के निर्माण के केस में मुख्य साजिशकर्ता है।

होली की हार्दिक शुभकामनाएं
CHANDEL
DENTAL HOSPITAL
Dr. Mahendra Saini
B.D.S (J.D.C)M.R.D.A., M.I.D.A
A-56, Ram Nagar, Jaipur Raj
9829862101, 9269945611

होली की शुभकामनाएं
CHOICE
X-RAY & DIAGNOSTIC CENTRE
सोनोग्राफी एक्स-रे, ई.सी.जी. खून मल-मूत्र वीर्य आदि की जांच हेतु आधुनिक लेबोरेट्री
B-499-A, Near SBBJ Bank, 60 Feet Road Mahesh Nagar, Jaipur-6
Ph : 2502564, 3261670
Mob : 9414388405

होली की शुभकामनाएं
VIJAY
CLINIC
Dr. Narendra Bhojwani
(B.Sc, BAMS)
Dr. Lalit Bhojwani (MBBS)
Skin Disease, Sexual Disease
Piles, Stone
Opp. C-2 Plaza Jhalana By Pass
Maliya Nagar, Jaipur-17
Mo. 9829744399

होली की हार्दिक शुभकामनाएं
Dr. A. K. Sharma
MD, MNAMS (Nephrology)
Nephrologist, Dialysis & Transplant Specialist
ETERNAL HOSPITAL
Jawahar Circle Jagatpura Road, Jaipur, Mob : 98290-65210

होली की हार्दिक शुभकामनाएं
Patalia Hospital
& Research Centre
working to Build a Healthier Community
डॉ. गजेन्द्र शर्मा (डाइटीशियन)
A-39, New Market, Nr. Tejaji Temple, Vidhya Nagar, Jagatpura, Jaipur Mo. 9829192007, E-mail : phrc21@yahoo.com

होली की हार्दिक शुभकामनाएं
अमन आयुर्वेदिक
वेलनेस सेंटर
नाडी का फाटक, श्यामनगर, जयपुर जयपुर
नृसिंह मंदिर के पास देगावास (खोराश्यामदास)
जयपुर जिला। मो 9928562156

होली की हार्दिक शुभकामनाएं
बंसल हॉस्पिटल
एण्ड रिसर्च सेन्टर
(फेको सर्जरी सेन्टर)
आँखों का अस्पताल
* 10 हजार से अधिक व 15 वर्षो से ज्यादा नेत्र सर्जरी का अनुभव।
* 1500 से अधिक गरीब निर्धन असहाय मरीजों का सफल निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन।
* बिना सुई व बिना पट्टी के फेको मशीन द्वारा मोतियाबिन्द का सफल ऑपरेशन।
* उच्च तकनीक की फैको मशीन द्वारा सफल नेत्र सर्जरी ।
* विभिन्न प्रकार के लैंस (मल्टीफोकल टौरिक व अन्य फोल्डेबल विदेशी लैंस) से फेको सर्जरी।
RGHS
मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के अन्तर्गत सभी कैशलेस सुविधाएं लागू।
होटल ली ग्राण्ड के सामने, बंसल मोटर्स के पास, जयपुर रोड, चौमूँ
सम्पर्क सूत्र: 9351315183, 9314889284

होली की हार्दिक शुभकामनाएं
DR. RAKESH KALRA
SECRETARY,
Private Hospital and Nursing Home Society
SFS sector 1 , Manasarovar,
Agarwal Farm, jaipur

होली की हार्दिक शुभकामनाएं
Sangatani Ashok Kumar
9314502503 (M)
7790812844 (S)
0141-2305093 (S)
VISHAL
MEDICAL & GENERAL STORE
Chemist & Druggist
131, Sindhu Nagar, Nahari Ka Naka, Jaipur-302016

होली की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रवीण इन्टिग्रेटेड हॉस्पिटल
24 घंटे इमरजेन्सी सेवायें उपलब्ध
डॉ. प्रवीण भालोठिया
चर्म एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
संगम कॉलोनी, न्यू लोहा मंडी रोड़, बाईपास पुलिया के पास वी.के.आई. एरिया, जयपुर-302013 मो. 9529119055

होली की हार्दिक शुभकामनाएं
मनोहरपुरा जगतपुरा निवासियों के स्वास्थ्य रक्षा प्रहरी
आरोग्यम हॉस्पिटल
अब नए परिसर में आधुनिक साज-सज्जा और सुविधाओं से परिपूर्ण
डॉ. पवन चौधरी (एम.डी.)
अरोग्य भवन गैटोर रोड जगतपुरा जयपुर मो. 9529549090

रेलवे के सेवानिवृत्त कर्मचारी को घुटने के दर्द से मिली मुक्ति

धन्वंतरी हॉस्पिटल में रोबोटिक सर्जरी का कमाल

जयपुर (हैल्थ व्यू)

आधुनिक चिकित्सा तकनीक और अनुभवी चिकित्सकों के मेल ने 68 वर्षीय रमेश कुमार अग्रवाल के जीवन में नई रोशनी भर दी है। पिछले पांच वर्षों से घुटने के गंभीर दर्द से जूझ रहे दिल्ली निवासी रमेश कुमार को अंतत: धन्वंतरी हॉस्पिटल में सफल इलाज मिला, जहाँ जॉन्सन एंड जॉन्सन (Johnson & Johnson) की अत्याधुनिक रोबोटिक प्रणाली द्वारा उनके दोनों घुटनों का सफल ऑपरेशन किया गया।

डॉ. आर पी सैनी

दर्द का सफर और नया भरोसा – रेलवे से सेवानिवृत्त रमेश कुमार अग्रवाल पिछले आधा दशक से चलने-फिरने में असमर्थ थे। उन्होंने अनेक विशेषज्ञों से परामर्श किया, लेकिन उन्हें कहीं स्थायी राहत नहीं मिली। अंत में वे धन्वंतरी हॉस्पिटल पहुँचे, जहाँ हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक डॉ. आर. पी. सैनी ने उनकी स्थिति की गहन जांच की।

डॉ. सैनी ने उन्हें ढांढस बंधाते हुए विश्वास दिलाया कि 'चिंता मत करो, रोबोटिक तकनीक से ऑपरेशन के बाद आप फिर से सामान्य जीवन जी सकेंगे।'

सफल ऑपरेशन और त्वरित रिकवरी – डॉ. सैनी के मार्गदर्शन में डॉ. ओजस सैनी और उनकी टीम ने रोबोटिक प्रणाली के जरिए घुटनों का ऑपरेशन किया। इस तकनीक की सटीकता का ही परिणाम था कि मरीज को ऑपरेशन के मात्र तीसरे दिन ही अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। रेलवे से सेवानिवृत्त होने के कारण रमेश कुमार का यह जटिल ऑपरेशन पूरी तरह नि:शुल्क संपन्न हुआ।

आभार और राहत – सालों के दर्द भरे जीवन से छुटकारा पाने के बाद रमेश कुमार ने खुशी व्यक्त करते हुए डॉ. आर. पी. सैनी और डॉ. ओजस सैनी के प्रति विशेष आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि अस्पताल का प्रबंधन और अत्याधुनिक तकनीक उनके जैसे वरिष्ठ नागरिकों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

संपर्क सूत्र
डॉ आर पी सैनी
98290 55760
आशीष शर्मा
9785788852

खर्राटे : कारण, खतरे और उपचार

(डॉ. प्रमोद दाधीच का परामर्श)

जयपुर (हैल्थ व्यू)

वरिष्ठ श्वास रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रमोद दाधीच (अजमेर) के अनुसार, खर्राटे केवल एक शोर भरी नींद नहीं बल्कि एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकते हैं।

डॉ. प्रमोद दाधीच

मुख्य कारण – खर्राटे तब आते हैं जब नींद के दौरान गले के पिछले हिस्से के ऊतक (tissues) ढीले होकर श्वसन मार्ग में बाधा डालते हैं। इसके प्रमुख कारण हैं(

मोटापा: गर्दन के आसपास अतिरिक्त चर्बी वायुमार्ग को सिकोड़ देती है।

जीवनशैली: शराब का सेवन, धूम्रपान और पीठ के बल सोना।

शारीरिक बनावट: बढ़े हुए टॉन्सिल, नाक की टेढ़ी हड्डी (ष्ठह्स्) या छोटी ठुड्डी।

भविष्य में संभावित खतरे – यदि खर्राटों का समय पर इलाज न किया जाए, तो यह स्लीप एपनिया (ह्व्स्) का रूप ले सकते हैं, अनेक जोखिम बढ़ जाते हैं:

हृदय रोग: हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट अटैक और स्ट्रोक की संभावना।

मानसिक स्वास्थ्य: दिनभर थकान, चिड़चिड़ापन और एकाग्रता में कमी।

दुर्घटनाएं: गहरी नींद न आने के कारण वाहन चलाते समय नींद की झपकी आना।

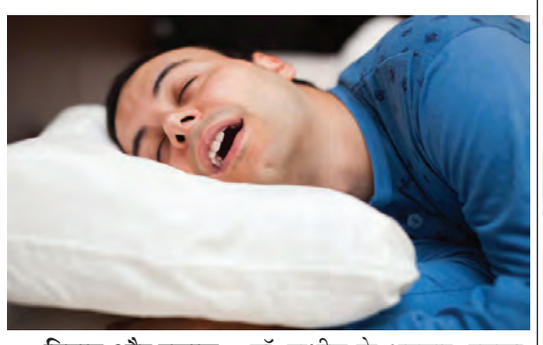

निदान और इलाज – डॉ. दाधीच के अनुसार, इसका सटीक निदान 'स्लीप स्टडी' से किया जाता है। इलाज के प्रमुख तरीके हैं:

जीवनशैली में बदलाव: वजन घटाना, व्यायाम और सोने की स्थिति बदलना।

CPAP मशीन: सोते समय एक मशीन के जरिए निरंतर हवा का दबाव दिया जाता है ताकि श्वसन मार्ग खुला रहे।

संपर्क सूत्र
डॉक्टर प्रमोद दाधीच मो - 98290 83879

होली की हार्दिक शुभकामनाएं
काबरा आई हॉस्पिटल
personalised care
COMPLETE EYE CARE
नेत्र रोगों का सम्पूर्ण इलाज
WOMEN & CHILD CARE
स्त्री रोगों एवं शिशुरोगों का सम्पूर्ण इलाज
*सुरक्षित प्रसव(नार्मल व सिजेरियन द्वारा)
*निसंतानता परामर्श व निवारण
*दूरबीन द्वारा बच्चेदानी व अण्डेदानी के समस्त ऑपरेशन
*पी.सी. ओ.डी. व हार्मोन संबंधी परामर्श एवं निवारण
*बच्चों की नियमित ओ.पी.डी व टीकाकरण
NABH मान्यता प्राप्त हॉस्पिटल
R.G.H.S
चिरंजीवी
सी.जी.एच.एस. (CGHS) ई.सी.एच.एस.(CGHS) बी.एस.एन.एल. (CGHS)
जे.वी.वी.एन.एल. (JVVNL) अमूल सस्स डेयरी
राजस्थान यूनिवर्सिटी एवं सभी टी.पी.ए व इंश्योरेंस कम्पनी
जमुना नगर, सोडाला, अजमेर रोड, जयपुर
फोन 9887469598, 9529888000

महात्मा गांधी अस्पताल में बिना चीरे के 'ब्रेन एन्यूरिज्म' का सफल इलाज

जहां पहले ब्रेन एन्यूरिज्म जैसी गंभीर स्थिति के लिए जटिल ओपन-सर्जरी की जरूरत होती थी, अब 'न्यूरो-इंटरवेंशन' जैसी तकनीक ने इसे बहुत सुरक्षित बना दिया है।

जयपुर (हैल्थ व्यू)। *जयपुर के सीतापुरा स्थित महात्मा गांधी अस्पताल ने न्यूरो-सर्जरी के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यहाँ के चिकित्सकों ने एक 74 वर्षीय बुजुर्ग महिला के मस्तिष्क में मौजूद जटिल एन्यूरिज्म (नस का फूलना) का बिना किसी चीर-फाड़ के सफल उपचार कर उन्हें नया जीवन दिया है।*

केस की जटिलता और आधुनिक समाधान *- मरीज को तेज सिरदर्द की शिकायत थी। जाँच में 1 सेंटीमीटर का एन्यूरिज्म पाया गया,*

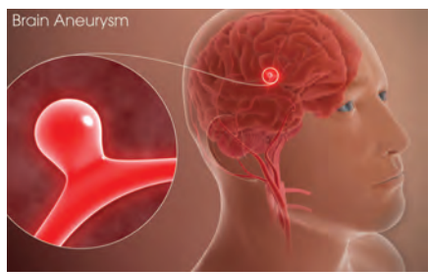

जिसके फटने पर जानलेवा ब्रेन हैमरेज का खतरा था। चूंकि मरीज पहले भी लकवा और हैमरेज झेल चुकी थीं, इसलिए पारंपरिक सर्जरी जोखिम भरी थी।

न्यूरो-इंटरवेंशन तकनीक का कमाल *- विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मदन मोहन गुप्ता के नेतृत्व में टीम ने 'कंटूर डिवाइस' का उपयोग किया।*

डॉ. मदन मोहन गुप्ता

बिना चीरा: *इस प्रक्रिया में बिना सिर खोले एक बारीक कैथेटर के जरिए डिवाइस को एन्यूरिज्म तक पहुंचाया गया।*

रक्त प्रवाह नियंत्रण: *डिवाइस ने एन्यूरिज्म के भीतर रक्त का प्रवाह रोक दिया, जिससे उसके फटने का डर खत्म हो गया, जबकि बाकी धमनियों में संचार सामान्य बना रहा।*

त्वरित रिकवरी *- इस तकनीक की सबसे बड़ी खूबी यह रही कि जटिल प्रक्रिया के बावजूद महिला को अगले ही दिन अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। विशेषज्ञों के अनुसार, जयपुर में इस विशिष्ट तकनीक से उपचार का यह पहला सफल मामला है।* ***संपर्क सूत्र डॉक्टर मदन मोहन गुप्ता मो +919783809836***

डॉ. रमेश अग्रवाल

गर्भाशय की गांठ के उपचार में HBOT की उपयोगिता

HBOT - इस प्रक्रिया में मरीज को एक विशेष चैम्बर में बिठाया जाता है। जहाँ वायुमंडलीय दबाव सामान्य से 2 से 3 गुना अधिक होता है और 100% शुद्ध ऑक्सीजन दी जाती है।

जयपुर (हैल्थ व्यू)

गर्भाशय की गांठ (terine Fibroids) के उपचार में HBOT यानी हाइपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी का उपयोग प्राथमिक उपचार के बाद एक सहायक उपचार (Supportive Therapy) के रूप में किया जाता है।

आमतौर पर फाइब्रॉइड्स का इलाज दवाओं, इंटरवेशनल रेडियोलॉजी (UFE) या सर्जरी (Myomectomy) से होता है। लेकिन HBOT निम्नलिखित स्थितियों में बहुत उपयोगी साबित होती है।

सर्जरी के बाद तेजी से रिकवरी - यदि महिला ने गर्भाशय की गांठ निकलवाने के लिए सर्जरी करवाई है, तो HBOT घावों को जल्दी भरने में मदद करती है। उच्च दबाव वाली ऑक्सीजन ऊतकों (Tissues) की मरम्मत की गति को बढ़ा देती है और सूजन को कम करती है।

संक्रमण से बचाव - सर्जरी के बाद टांकों में संक्रमण का खतरा रहता है। HBOT शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है और उन बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद करती है जो कम ऑक्सीजन वाले वातावरण में पनपते हैं।

क्रोनिक पेल्विक पेन - गांठ के कारण पेल्विक हिस्से में जो सूजन और दर्द बना रहता है, उसमें HBOT रक्त संचार बढ़ाकर और ऑक्सीजन की आपूर्ति सुधारकर राहत प्रदान कर सकती है।

इंटरवेशनल रेडियोलॉजी के बाद - जब रेडियोलॉजी के जरिए गांठ की रक्त आपूर्ति बंद की जाती है, तो आसपास के स्वस्थ ऊतकों को रिकवर करने के लिए अतिरिक्त ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है, जहाँ HBOT 'बूस्टर' का काम करती है।

सम्पर्क सूत्र डॉ रमेश अग्रवाल, मो 98290 17133

होली की हार्दिक शुभकामनाएं
चौधरी मेडिकल हॉल
नितिन चौधरी-सांगानेरी गेट के बाहर महिला चिकित्सालय के पास जयपुर
होली की हार्दिक शुभकामनाएं
NAVAL AGRAWAL
AJAY
SURGICAL COMPANY
Shop No. 6 & 11, Mahalaxmi Market, Near Mayur Complex Film Colony Nehru Bazar, Jaipur
Mob - 9829010815, 9929098815
होली की हार्दिक शुभकामनाएं
चलती चले लहर
JAIPUR - Mob-9414371606/9414285649
Lehar FOOTWEAR
होली की हार्दिक शुभकामनाएं
Dr. ANSHUL MITTAL
MBBS, DCH, FELLOWSHIP NEONATOLOGY
OPD TIMING
MORNING 9:00 AM To 2:00 PM
EVENING 5:00 PM To 8:00 PM
MITTAL CHILDREN HOSPITAL
spreading smiles
E 61 Girdhar Marg Near Reliance Fresh Malviya Nagar Jaipur M - 8696866809
होली की हार्दिक शुभकामनाएं
योगेन्द्र गुप्ता
मोबाइल 9414201714
प्रबंधक सूर्या फार्मा, कर सलाहकार : महासचिव अग्रवाल समाज सांगानेर और विकास समिति प्रताप नगर सेक्टर पांच, वाइस प्रेसीडेंट अग्रसेन शिक्षण समिति और गौ सेवक
YKG AND ASSOCIATED
Happy Holi
RAJ LAXMI TOWNSHIP PVT. LTD.
(COLONIZER & LAND DEVELOPERS)
Raj Laxmi
Kailash Chand Sharma
Mamta Properties, Near SBBJ Bank, Durgapura, Tonk Road, Jaipur
91-141-2553106 | 9414067762
होली की हार्दिक शुभकामनाएं
SHRI HOSPITAL
Dr. GOPAL KHANDELWAL (MD Medicine)
Dr. Manju Khandelwal (MS Gynae)
Approved Hospital With Saras, Alankit, JVVNL, RRVPNL, PNB Etc & with Insurance Co.'s
4 Vishnupuri, Jagatpura Road, Jaipur Ph: 2752880
होली की हार्दिक शुभकामनाएं
Dr. Chakravarty's
एडवांस्ड गैस्ट्रो, पाइल्स एण्ड लीवर केयर क्लिनिक
Dr Sudipto Chakravarty
MBBS (Gold Medalist), MS (Gen. Surgery) PPHC (Apollo Hospitals E & RF) Senior Gastro, Piles, Nutrition & Liver Care Specialist RMC Regn. No.18222
F-06-10, 1st Floor, Vidhyadhar Enclave-II, Near Mittal Skin, Laser, Cosmetic & Polyclinic B-14, Central Spine, Vidhyadhar Nagar, Jaipur फोन : 0141-4086348
हैल्थ व्यू परिवार की ओर से होली की हार्दिक शुभकामनाएं
संपादक - रमन अग्रवाल
मो. 9829066272
HAPPY HOLI
S.R. ENTERPRISES
B 18-19 Jai Jawan Colony 1st Tonk Road Jaipur
Mo. 9829012628
होली की हार्दिक शुभकामनाएं
SHREERAM
DEPARTMENTAL STORE
A Complete Shopping Complex
Ramchandra Puruswani
A-1, Basant Bahar, Nr. Gopalpura Flyover, Tonk Road, Jaipur-302 018
HOME DELIVERY AVAILABLE
Ph.Ñ 2548110, 2546851, 5127162
शादी दिलों का मेल है, उसे यादगार बनाइए
वैवाहिक परिधानों की सम्पूर्ण रेंज
Raja Sahab
His & Hers Store
Raja Park, Jaipur. Ph. : 2623001-002
Dr. Pushkar Gupta
MD (Med.), DM, DNB (Neuro)
Consultant
Neurologist
C.K. BIRLA Hospital
Resi : A-13, Jai Jawan-1, Tonk Road, Durgapura. Jaipur
Mo : 9828020015
होली की हार्दिक शुभकामनाएं
ISO 9001-2000 Certified Co.
omni
Pure Milk Cream Ice Cream.
ICE CREAM No Frozen Desert
शादी व पार्टी में बुकिंग के लिये सम्पर्क करें
9414044050, 2324050, 2770211
होली की हार्दिक शुभकामनाएं
SHRI BALAJI DENTAL HOSPITAL
BRACES SPECIALIST
Dr. Ashwani Jadon
M.D.S. (Orthodontics)
Dr. Parul Jadon
B.D.S. MIDA
12/11, Girdhar Mard Malviya Nagar, Jaipur
Mail- drashwanijadon@gmail.com Mob 9929807746
होली की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. नारंग हॉस्पिटल
Super Speciality Excellence Chest, Infertility & Urosurgery
डॉ. राजीव नारंग
MBBS MD
Chest Physician & Pulmonologist
Speciality in
Asthma, Allergy, Fibre Optic Bronchoscopy, Allergy Skin Prick Test & Sleep Disorder
ए-288 नेशनल हैण्डलूम के पीछे, वैशाली नगर जयपुर मो. 94142-50617
होली की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. एम.के. गुप्ता (एम.डी.)
एलर्जी एवं चेस्ट स्पेशलिस्ट
आँच
एलर्जी अस्थमा एवं चेस्ट हॉस्पिटल
K-32 इनकम टेक्स कॉलोनी, एस.एल.मार्ग, दुर्गापुरा, टोंक रोड जयपुर
फोन 9950808583, मो. 9799120333
EMPANELED : JDA, Rajasthan University, JVVNL, RTDC, RCDF
होली की हार्दिक शुभकामनाएं
पाइल्स हॉस्पिटल
पाइल्स (बवासीर) व अन्य गुदारोगों का अस्पताल
A DAY CARE ANOREACTAL SURGERY CENTRE
डॉ. दिनेश शाह वरिष्ट पाइल्स एवं गुदा रोग विशेषज्ञ M.S., FAIS, FIAGES, FACRSI
डॉ. अंशुल शाह मो. 8209632767
6/64, विद्याधर नगर, जयपुर फोन - 0141-2334959
HAPPY HOLI
Rajat
Diagnostic Centre
MRI FIRST TIME IN MANSAROVAR
ADVANCE TECHLOLOGY SONOGRAPHY
Dr. Pramod Jain Dr. Aakancha Jain
✓ CT Scan & ✓ Digital X Ray ✓ OPG
✓ Ultra Sonography ✓ Well equipped Computerised Laboratory ✓ Harmonal Assay ✓ Collor Doppler Ultra sound machine with multiple probes including 2 d echo cardiography, TVS ✓ Multi Channel ECG & EEG ✓ Gastroscopy & ✓ Breast Sonography ✓ 3D & 4D USG.
101/189 Mansarovar New Sanganer Road Jaipur Mo: 9414345756

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रमन अग्रवाल द्वारा 170/ 3, रामगली राजापार्क के लिए जयपुर से प्रकाशित एवं मोहन शर्मा एंड कंपनी प्रा. लि., ए-10, सुदर्शनपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, जयपुर से मुद्रित। सम्पादक : रमन अग्रवाल, सह सम्पादक - मीना अग्रवाल, 9829066272